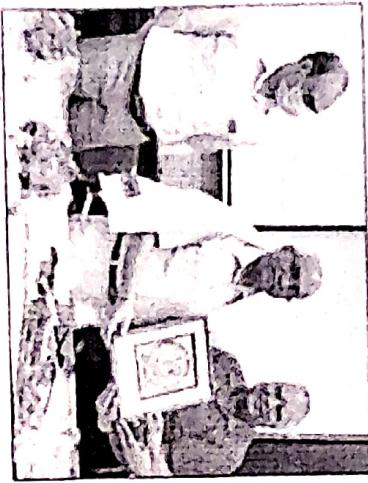


वैश्विक परिवृश्य में आयुर्वेद की बढ़ती लोकप्रियता को नई  
ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए शोध जस्ती-प्रो. ए. के. सिंह



आद्युवेंट ने योकार ने इसमें ग्रन्थभौत हो गया है। इसमें  
मुख्य कारण फोरवर्ड १७ में आयुर्वेदिक औषधियां से  
महत्वपूर्ण उपचारागता ली गई है। इसका एवं वेस वर्गने  
के लिए अच्छे मम्प चलने लगते हैं। चर्मामन मस्त्य में  
आयुवेंट का क्षय अल्लियक गोध की मस्तिशक्ति देता है।  
जिसके द्वारा घ्राय जल्द ही मरम्मता को प्राप्त कर मरम्मता  
होती है। आयुवेंट चिकित्सा अल्लियक जननाप्यांगों हें केवल  
जैसे बढ़ी विसीं में भी आयुवेंट चिकित्सा के द्वारा शायद  
परक काम कराके लाख हिंदा जा सकता है। इसमें हिंदा  
जंबरन, कलेमन, मंगल माड़ज और एनोर्जिटिस  
कराके मानकों के अनुरूप स्थापित किया जा सकता है।  
यदि इस प्रकार संकार्य देनानंक स्थापित किया जाय तो  
आयुवेंट आयुर्वेदिक चिकित्सा को पोछे भी कर सकने की  
सुमता है स्पष्टाक अपूर्व, आयुवेंट सज्जाय ग्रो के एन  
हिंदी, ने सभी कीं धन्यवाट लेने हुए बालाया कि महर्मत  
चाक ग्रोगम सार्वज्ञकृत्य की नोडल वर्गने को सोभायद  
आयुवेंट संकलन को प्रिता यह अन्यत न हों कि विषय है।  
भविष्य में शोषण के घ्राय में यह मिल का पत्तर साक्षित होगा।  
किसी भी नये एक डायरेक्ट काम की शुरूआत संकलन के  
लिए गोप्य की बात होती है। यह प्रोसेस्यण अन्यन्यम  
प्रशिष्ठण नहीं है।